दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांकः 11.03.2025

प्रकाशनार्थ

भारत मे जलवायु परिवर्तन की स्थिति और चुनौतियों – डॉ.त्रिभुवन मिश्रा

दिनांक 11.03.2025 गोरखपुर। दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोरखपुर स्थित मीराबाई छात्रावास के दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्त दिवसीय शिविर के छठे दिन का प्रारम्भ प्रार्थना सभा व लक्ष्यगीत के साथ हुआ।

स्वयंसेवक व स्वयंसेविकाओं को योग व आत्मरक्षा अभ्यास ताईकांडों प्रशिक्षक श्री आदित्य जायसवाल के निर्देशन में सम्पन्न कराया गया। प्रशिक्षक ने स्वयंसेवक व स्वंयसेविकाओ को आत्मरक्षा के सभी विधाओं को कराया एवं सिखाया जो वर्तमान में सभी स्वंयसेवक व स्वंयसेविकाओ के लिये अत्यंत लाभदायक रहा।

कार्यक्रम के अगले चरण में स्वयंसेवक व स्वंयसेविकाओ के द्वारा सड़क सुरक्षा एवं जागरूकता रैली निकाली गई जो गोरखपुर महानगर के सिविल लाइन से गोलघर होते हुए शिविर स्थल पर समाप्त हुआ।।

स्वयंसेवक व स्वंयसेविकाओ के मध्य "राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका" विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया जिसे निर्णायक मंडल के द्वारा मूल्यांकन के उपरांत चयन किया गया। जिसमे प्रथम स्थान वैष्णवी उपाध्याय को द्वितीय स्थान संयुक्त रूप से हर्षिता मालवीय व आँचल गुप्ता को तथा तृतीय स्थान प्रिया गुप्ता,सिखा राय व विनीता कुशवाहा को मिला। निर्णायक टीम ने प्रतियोगिता में स्थान पाए स्वंमसेवक एवंस्वयसेविकाओ को उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ अन्य स्थान पाने वालों को भी बधाई प्रेषित की।

छठवे दिवस के **बौद्धिक सत्र में महाविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विषय के सहायक आचार्य डॉ. त्रिभुवन मिश्रा ने "भारत मे जलवायु परिवर्तन की स्थिति और चुनौतियॉ" विषय पर विस्तृत ढंग से अपने विचार रखते हुए कहे कि** भारत जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से गंभीर रूप से प्रभावित होने वाले देशों में से एक है। बढ़ते वैश्विक तापमान, अनियमित मानसून, बढ़ती गर्मी की लहरें, समुद्र स्तर में वृद्धि, और प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति में वृद्धि इसके प्रमुख संकेत हैं। भारत में औसत तापमान में वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे कृषि, जल संसाधन, और जैव विविधता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

भारत में जलवायु परिवर्तन के कारण मानसून अस्थिर होता जा रहा है, जिससे कभी बाढ़ तो कभी सूखा पड़ रहा है। हिमालयी ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे गंगा, ब्रह्मपुत्र और अन्य नदियों के प्रवाह पर असर पड़ रहा है। साथ ही, बढ़ते समुद्र स्तर के कारण तटीय क्षेत्रों में बाढ़ और भूमि कटाव की समस्या बढ़ रही है। इस चुनौती से निपटने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा, जलवायु अनुकूल कृषि तकनीक, और कार्बन उत्सर्जन में कमी जैसे प्रयासों को बढ़ावा देना आवश्यक है।

कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी श्री जितेन्द्र कुमार पाण्डेय ने किया व धन्यवाद ज्ञापन डॉ. निधि राय ने किया। इस अवसर पर वरिष्ट कार्यक्रम अधिकारी डॉ पीयूष सिंह व प्रदीप यादव व चारो इकाईयों के स्वयंसेवक व स्वयं सेविका अनुराग मिश्रा, अनुप्रिया कुमारी, सलोनी श्रीवास्तव, अन्नू पाण्डेय, शिवांगी सिंह, तान्या, प्रिया गुप्ता, आदि उपस्थित रहे।

(डॉ.) शैलेश कुमार सिंह
प्रभारी, सूचना एवं जनसम्पर्क